अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तेरापंथ दर्शन (वर्ष : 2019) **दिनांक :** 20.12.2019

समय : 3 घंटा **तृतीय वर्ष : द्वितीय प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली

प्र. 1 किन्हीं चौदह प्रश्नों के उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 14

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली (किन्हीं सात प्रश्नों का उत्तर दें)

(क) तेरापंथ के संविधान के अनुसार आज्ञा में चलने वालों के लिए करणीय कार्य क्या है?

(ख) मुनि वेणीराम जी किससे चर्चा करने के लिए थली जाना चाहते थे?

(ग) हेमराज जी द्वारा सिरियारी में साधु-साध्वियों को भेजने की बात का स्वामीजी ने क्या जवाब दिया?

(घ) आचार्य भिक्षु की संघीय चेतना के मूल आधार क्या थे?

(ङ) निश्चयनय और व्यवहारनय कौन से अनुशासन को महत्व देते हैं?

(च) इस युग में कौन सी संस्कृति पनप रही है?

(छ) मोहनीय कर्म की कितनी और कौन-कौन सी प्रकृतियां हैं?

(ज) आपका यह संकड़ा मार्ग कितने समय तक चलेगा? के उत्तर में आचार्य भिक्षु ने क्या कहा?

(झ) आचार्य भिक्षु ने अस्वस्थता के कारण कब व कहाँ तेरह महीनों का प्रवास किया?

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता (किन्हीं सात प्रश्नों का उत्तर दें)

(ञ) साधन शुद्धि पर किन-किन चिन्तकों ने बल दिया है?

(ट) आध्यात्मिक दृष्टि से धर्म-अधर्म की कसौटी क्या है?

(ठ) अस्तिकाय का अर्थ क्या है?

(ड) समाजोपयोगी प्रवृत्तियों में सावद्य और निरवद्य का एक-एक उदाहरण दें।

(ढ) वैज्ञानिक सिद्धान्तों की यथार्थता प्रमाणभूत क्यों मानी जाती हैं?

(ण) निरवद्य दान क्या है?

(त) आगमानुसार कौन सा शरीर छहकाय जीवों का शस्त्र है?

(थ) धर्म के विषय में भारतीय जन-मानस भ्रान्त धारणाओं का शिकार क्यों हुआ?

आचार्य भिक्षु की अनुशासन शैली–23

प्र. 2 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) आचार्य भिक्षु ने 1832 के लिखत को संविधान का रूप कैसे दिया? संक्षेप में लिखें।

(ख) बादशाह और पिंजारे के पुत्रों की अदला-बदली से कौन से तथ्य उजागर होते हैं?

(ग) किसी ने कहा–हेमजी स्वामी की चादर प्रमाण से बड़ी लगती है। आचार्य भिक्षु ने उसकी शंका का निराकरण करते हुए क्या कहा?

प्र. 3 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) एक नेता में सामान्यतः कौन-कौन से गुण होने चाहिए? लिखें।

(ख) 'संघमुक्त साधना' की अर्हताओं का वर्णन करें।

प्र. 4 आचार्य भिक्षु की तीसरी आंख–समता की आंख खुली हुई थी। इसी कारण के पूर्णतः तटस्थ थे। विवरण सहित प्रस्तुत करें। 12

अथवा

आचार्य भिक्षु के जीवन दर्शन से स्पष्ट करें कि अनुशासन का प्रयोग कठोरता और मधुरता दोनों से हो सकता है।

आचार्य भिक्षु के विचारों की प्रासंगिकता–23

प्र. 5 किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दो या तीन वाक्यों में दीजिए– 5

(क) साध्य-साधन के विकल्प लिखें।

(ख) आंशिक संयमी से क्या तात्पर्य है?

(ग) दान्ते के अनुसार मनुष्य के दो कल्याण कौन-कौन से हैं?

प्र. 6 किसी एक प्रश्न का उत्तर 100 से 150 शब्दों में दीजिए– 6

(क) रोगी श्रमणों की सेवा के लिए पालनीय नियम कौन-कौन से हैं? लिखें।

(ख) आचार्य भिक्षु के विचारों की शाश्वत सत्यता के मुख्य बिन्दु क्या थे?

प्र. 7 धर्म की व्याख्या के सम्बन्ध में आचार्य भिक्षु व अन्य विचारकों के विचार लिखें। 12

अथवा

'आचार्य भिक्षु के जीवन में श्रद्धा और तर्क का अद्‌भूत मिश्रण था।' स्पष्ट करें।

अनुकम्पा की चौपाई–30

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर एक या दो वाक्यों में दीजिए– 5

(क) देवता ने किन चार व्यक्तियों के पुत्रों को तेल में तला?

(ख) आचार्य भिक्षु के अनुसार दयावान कौन है?

(ग) नव कोटि प्रत्याख्यान कौन से हैं?

(घ) गोशालक का वर्णन कौन से आगम में आता है?

(ङ) अपश्चिम मारणांतिक संलेखना के अतिचार कौन-कौन से हैं?

(च) अनुकम्पा करने से दण्ड आता है। भगवान ने यह रहस्य किसमें बताया है?

(छ) कड़वे तुम्बे का आहार किसने व क्यों किया?

प्र. 9 जीव जीते हैं, वह दया नहीं है मरते हैं वह हिंसा नहीं है। मारने वाले को हिंसा होती है नहीं मारता है वह दयावान है। ढाल पांच के आधार स्पष्ट करें। 10

अथवा

भगवान ने सूत्र साक्षी से जो अनुकम्पाएं साधु के लिए वर्जित बताई है। ढाल 2 के आधार पर उनका वर्णन करें।

प्र. 10 किन्हीं दो पद्यों की सप्रसंग व्याख्या करें– 15

(क) जगत में मरतां देखने जी, आडा न दीघा हाथ।
धर्म जांणे तो आगो न काढ़ता, अे तिरण तारण जगनाथ।।

(ख) अग्यांनी रो ग्यांनी कीयां थकां, हुवो निश्चे पेला रो उधार हो।
कोयी मिथ्याती रो समकती, तिण उतारीयो भव पार हो।।

(ग) काचा था ते चल गया, ते होय गया चकचूर।
के सेंठा रह्या चलीया नहीं, त्यांने वीर बखांण्या सूर।।

(घ) अटवी मे भूला ने अतंत दुखी देख, च्यारूई सरणा साध दिरावे।
मारग पुछे तो मनुज साझे, बोले तो भिन-भिन धर्म सुणावे।।

भिक्षु वाणी–10

प्र. 11 किन्हीं दो विषयों पर पद्य लिखें– 10

(क) विसंगति

(ख) भगवद्वाणी

(ग) ज्ञान

(घ) सुकृत

(ङ) अज्ञानी